डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 190 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 26 अप्रेल 2025 | मूल्य 2 रुपया

शोएब लाला के गांव का नाम ही रिकॉर्ड में गलत..!

लंबे समय से जांच एजेंसियों और पुलिस के हाथ खाली..?

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भोपाल से 1814 करोड़ की मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स सप्लाई में सबसे अहम कड़ी के रूप में राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के शोएब लाला का नाम आया था। जांच में सामने आया है कि उसका परिवार पिछले 29 साल से ड्रग तस्करी में लिप्त है। पुलिस का मानना है कि शोएब ने अपने परिवार के दम पर देशभर में एमडी ड्रग्स की तस्करी का नेटवर्क खड़ा किया। भोपाल में तैयार होने वाला एमडी ड्रग्स मंदसौर के रास्ते शोएब लाला तक पहुंच रहा था। वहां से वह पूरे देश में भेजता था। खैर इस मामले में बड़ी जांच एजेंसिया और मप्र के अलावा अन्य राज्यों की पुलिस को शोएब लाला की तलाश है। लेकिन, फिलहाल पुलिस और जांच एजेंसियों के हाथ खाली है। इस बीच एक ओर मामला सामने आया है। जिसमें पता चला है कि पुलिस रिकॉर्ड में शोएब लाला के गांव का नाम ही गलत लिखा हुआ है। भोपाल ड्रग्स फैक्टरी कांड के मुख्य आरोपी शोएब लाला के गांव का नाम ही पुलिस के चालान में बदल दिया गया है। सिर्फ इस मामले में ही ऐसा हुआ हो, यह भी नहीं है। प्रतापगढ़ के रास्ते जिस देवल्दी गांव से सबसे अधिक ड्रग्स आ रहा है, उससे जुडे हर मामले में आरोपी के गांव का नाम देवल्जी लिखा जा रहा है। इस चूक के बारे में स्वयं पुलिस को भी नहीं पता है। विधिवेत्ताओ की माने तो इस गलती का लाभ आरोपी को मिल सकता है।

एनसीबी और एटीएस दे चुकी दबिश...

देवल्दी में अक्टूबर 2021 में महाराष्ट्र एटीएस की दबिश में तीन तस्कर पकडे गए थे। यह तस्कर 05 किलो हेरोइन मुंबई के डोंगरी लेकर गए थे। उस समय जांच में एक महिला की भूमिका

सामने आई थी, जो देवल्दी के तस्करों की मुंबई में मदद करती थी। यह महिला कौन थी, यह अब तक पता नहीं चला है। भोपाल का मामला खुलने के बाद देवल्दी में लगातार पुलिस और अन्य एजेंसियों ने भी रेड की है।

आसपास अफीम की खेती, इसलिए तस्कर ज्यादा...

मंदसौर से कुछ किमी दूर स्थित देवल्दी चारों तरफ अफीम की खेती से घिरा है। प्रतापगढ़ के अरनोद, सालमगढ़, रठांजना, हथुनिया सहित मंदसौर और नीमच में अफीम खेती के पट्टे दिए जाते हैं। यहां तस्करों को आसानी से अफीम और डोडाचूरा मिल जाता है। दबी जुबान में पुलिस भी इस बात को मानती है कि बड़े पैमाने पर होने वाली तस्करी की यही वजह है।

पुलिस भी पूरी टीम के साथ देती है दबिश...

प्रतापगढ़ जिले के अरनोद थाने से 08 किमी दूर महज 80-90 घरों वाला गांव है देवल्दी। यहां पहुंचने वाला रास्ता कच्चा और उबड़-खाबड़ है। प्रतापगढ़ पुलिस खुद मानती है कि इस गांव में कार्रवाई के लिए अकेले जाना जोखिम भरा है। पुलिस की पूरी टीम जाती है। यही वजह है कि 15 दिन पहले गांव में चले सर्च ऑपरेशन में 03 जिलों की पुलिस शामिल की गई थी। इस दबिश में शोएब के घर के अधिकतर पुरुष गायब मिले। हैरत की बात है कि गांव में भी शोएब लाला के समर्थक हैं।

ऐसे समझें शोएब के परिवार का तस्करी रिकॉर्ड...

शोएब के दादा शेर अली खान (100) रिटायर्ड शिक्षक हैं। शेर अली खान के तीन बेटे हैं। तीनों बेटों का आपराधिक रिकॉर्ड है। सबसे बड़ा बेटा शमशेर (शोएब के ताऊ) और वकील खान (शोएब के पिता) पुराने तस्कर रहे हैं। चाचा सलीम खान आर्म्स एक्ट का आरोपी है।

1. शमशेर खान (ताऊ) – 1997 में एनडीपीएस, 2012 में अरनोद थाने में आर्म्स एक्ट का मामला, 2013 में एनसीबी मुंबई में एनडीपीएस की कायमी (5 किलो मादक पदार्थ)

2. वकील खान (पिता) – 1995 में मंदसौर के भावगढ़ थाने में 5 किलो 250 ग्राम अफीम की तस्करी में गिरफ्तार, 1986 में प्रतापग? के थाना अरनोद में मारपीट-हत्या के प्रयास का मामला

3. सलीम खान (चाचा) – 2012 में थाना अरनोद में आर्म्स एक्ट का मामला।

4. शोएब लाला (वकील का बेटा) – 2024 में भोपाल की बंद फैक्ट्री में बने एमडी ड्रग्स की तस्करी में नाम आया। हरीश आंजना के साथ देश में नेटवर्क खड़ा किया। राजस्थान के रास्ते गुजरात, दिल्ली सहित कई राज्यों में ड्रग्स की सप्लाई के आरोप।

नोट– रिकॉर्ड अरनोद थाना पुलिस के मुताबिक।

शोएब के पिता और ताऊ पर एनडीपीएस के मामले...

अरनोद पुलिस का रिकॉर्ड बताता है कि शोएब का पिता वकील खान पहली बार 1995 में 05 किलो अफीम तस्करी में पकड़ा गया था। वकील को मंदसौर के भावगढ़ की पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उस पर हत्या के प्रयास का केस भी दर्ज है। वर्ष 2013 में मादक पदार्थों की तस्करी में शोएब के ताऊ शमशेर खान पर एनसीबी मुंबई एनडीपीएस का मामला दर्ज कर चुकी है। चाचा सलीम खान पर आर्म्स एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं।

कॉम्बिंग गश्त: दो सौ से ज्यादा वारंटी पकड़े

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात एक बार फिर करीब पांच सौ पुलिस वालों की टीम जिलेभर में धरपकड़ करती रही। यह अवसर था कॉम्बिंग गश्त का। पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद सहित पुलिस अधिकारी कॉम्बिंग गश्त की मानीटरिंग करते रहें। इस दौरान पुलिस ने दो सौ से ज्यादा वारंटी पकड़े। इसके अलावा अवैध शराब और ईनामी बदमाश भी पुलिस के हत्थे चढ़े।

गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात्रि जिले के अपराधियों पर मंदसौर पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई की। कुल 210 वारंटियों को धरदबोचा, जिनमें 120 स्थायी वारंटी एवं 88 गिरफ्तारी वारंटियों को कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस द्वारा धरदबोचा गया। कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस के थाना वायडी नगर द्वारा चोरी के अपराध में 02 वर्ष से फरार चल रहे 2000 रूपए के ईनामी उद्घोषित वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। कॉम्बिंग गश्त के दौरान मंदसौर पुलिस द्वारा हिस्ट्री शीटर बदमाशों की चेकिंग करते कुल 73 निगरानी बदमाशों को चेक किया एवं 105 गुंडा/बदमाशों, 04 सजायाब बदमाशों एवं 02 जिलाबदर बदमाशों को चेक करते कुल 172 निगरानी/गुंडा बदमाशों की चैकिंग की गई। इस दौरान मंदसौर पुलिस द्वारा अवैध शराब के कुल 10 प्रकरणों में 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के कब्जें से कुल 103.3 लीटर कुल कीमती 28 हजार 270 रुपए की अवैध शराब जप्त की गई। कॉम्बिंग गश्त के दौरान जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों समेत सभी थानों की 60 गश्त पार्टियों में कुल 500 से अधिक पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा गश्त की कार्यवाही को अंजाम दिया गया।

पोस्ता व्यापारियों के गोदामों पर छापे

नीमच, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय के पोस्ता व्यापार में अवैध गतिविधियों की जांच तेज हो गई है। बघाना पुलिस ने पोस्ता कारोबारी लाला बंब के दिवाकर ट्रेडर्स गोदाम पर छापेमारी की। पुलिस को यहां धुलापाली और काला दाना मिलने की आशंका थी। हालांकि, जांच में कुछ संदिग्ध नहीं मिलने की जानकारी सामने आ रही है।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के आदेश पर सभी पोस्ता कारोबारियों के गोदामों की निरंतर जांच की जा रही है। अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई का प्रावधान है। इस कार्रवाई से व्यापारियों में हड़कंप मचा हुआ है। बता दें कि इससे पहले वर्ष 2021 में स्कीम नंबर 36 में बाबू सिंधी के गोदाम से सीबीएन को 25 हजार किलो धुलापाली, कालादाना और पीसा हुआ डोडाचूरा मिला था। नीमच विशेष न्यायालय ने बाबू सिंधी और उसके साथियों को 15-15 साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई। बताया गया है कि बघाना पुलिस ने जाबिर बोहरा और दीपक मोता सहित कई संस्थाओं की जांच की। हालांकि नवकार, तिरूमला, विजय ट्रेडर्स, नैवेद्य, मेघदूत और एमआर इंटरप्राइजेस जैसी फर्मों की शिकायतें मिलने के बावजूद उनकी जांच अभी बाकी है।

अब एक साल का होगा पीजी

बीए वाले भी कर सकेंगे एमकॉम, एमएससी

भोपाल, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत नया अध्यादेश जारी किया है। अगले सत्र (2025-26) से छात्र दो वर्षीय पीजी के अलावा एक साल का पीजी कोर्स और पीजी डिप्लोमा भी कर सकेंगे। बीए पासआउट छात्र एमएससी या एमकॉम कर सकेंगे। विषय चुनने की आज़ादी, नई मूल्यांकन प्रणाली और क्रेडिट आधारित लचीलापन मिलेगा। यदि छात्र ने यूजी में कोई विषय मेजर या माइनर लिया है, तो वह उसी में पीजी कर सकेगा। प्रवेश परीक्षा पास करने पर कोई भी छात्र किसी भी विषय में पीजी कोर्स या डिप्लोमा कर सकता है।

मूल्यांकन प्रणाली में भी बदलाव...

आंतरिक मूल्यांकन को 40प्रश और मुख्य परीक्षा को 60प्रश वेटेज मिलेगा। न्यूनतम 40प्रश अंक जरूरी होंगे। प्रोजेक्ट, सेमिनार या डिसर्टेशन फैल होने पर दो सेमेस्टर में दोबारा मौका मिलेगा।

अब एक सेमेस्टर 22 क्रेडिट का रहेगा...

एक सेमेस्टर 22 क्रेडिट का रहेगा। इस लिहाज से एक वर्षीय व पीजी डिप्लोमा न्यूनतम 44 क्रेडिट का होगा। दो साल की पीजी का 88 क्रेडिट होगा।

पहले पीजी को तीन साल में पूरा करना होता था। अब चार वर्षीय यूजी करने वाले सीधे एक वर्षीय पीजी में एडमिशन ले सकेंगे। नई व्यवस्था के तहत छात्रों को अब वैल्यू एडेड कोर्स करने का मौका मिलेगा। कोर्स में एथिक्स, योगा, डिजिटल लिटरेसी, आंत्रप्रेन्योरशिप शामिल हैं। ये कोर्स उनके व्यक्तित्व और व्यावसायिक कौशल को बेहतर बनाएंगे।

दो शिफ्ट में लगेंगे सरकारी कॉलेज...

मध्यप्रदेश में सभी सरकारी कॉलेज दो शिफ्ट में लगेंगे। वहीं सभी कॉलेजों की स्टेट लेवल पर ग्रेडिंग भी होगी। हर संभाग में युवाओं का ज्ञान बढ़ाने के लिए सामान्य ज्ञान की प्रतियोगिता भी आयोजित कराई जाएगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास में समत्व भवन में उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में इसके निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि सेमेस्टर सिस्टम भी आवश्यकतानुसार जारी रहे। इससे विद्यार्थियों को बिना किसी बाधा के शिक्षा पूरी करने में आसानी होगी। इस दौरान उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि हम विद्यार्थियों की दैनिक उपस्थिति को उनके क्रेडिट स्कोर से जोड़ रहे हैं, इससे स्टूडेंट्स की उपस्थिति बढ़ रही है।

सीतामऊ पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब

महिला आरोपी गिरफ्तार, सप्लायर की तलाश

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊपुलिस ने देशी, अंग्रेजी और कच्ची शराब पकडी है। मामले में महिला आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। शराब सप्लायर के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया गया है। उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मुखबीर सूचना पर कार्यवाही करते ग्राम गोकुलपुरा निवासी महिला के घर के पास दबिश दी गई। महिला के कब्जे से पावर 10000 कम्पनी की बियर के 45 केन, बाम्बे व्हिस्की कम्पनी के 25 क्वार्टर , 12 पावर 10000 कम्पनी की बीयर की बोतले, 30 क्वार्टर देशी मदिरा प्लेन शराब व 20 क्वार्टर देशी मदिरा लाल के क्वार्टर व हाथ भट्टी की 15 लीटर कच्ची शराब कुल 58.8 बल्क लीटर शराब जब्त की गई। पूछताछ कंवरलाल पिता रतनलाल कुमावत निवासी कुचडौद द्वारा शराब देना बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34/2 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। कंवरलाल की तलाश की जा रही है।

मारपीट, पिता-पुत्र पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मारपीट के मामले में पुलिस ने पिता-पुत्र पर केस दर्ज किया। मगरोडा निवासी गोविन्द बावरी ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि शादी की बात तय करने मेरा लडका दयाराम काचरिया चन्द्रावत गया था। वहां रामनिवास पिता बाबूलाल बावरी व उसके बेटे प्रहलाद बावरी ने गाली-गलौज कर मारपीट की व लकडी की सिर पर मार दी। जिससे खून निकलने लगा। पुलिस ने दोनों पर केस दर्ज किया।

अभी ही गर्मी से हाल बेहाल, मई-जून में क्या होगा

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। इन दिनों गर्म हवा आमजन को बेहाल कर रही है। तापमान में मामूली उतार चढ़ाव चल रहा है। तापमान लगातार 40 से 42 डिग्री के बीच बना हुआ है। शहर में लू की स्थिति तो अब तक नहीं बनी है, लेकिन गर्म हवाओं के थपेड़े दिन में लू जैसी तपिश दे रहे हैं।

अभी तो यह गर्मी की शुरुआत है। अभी ही यह हाल है तो मई और जून में गर्मी से हाल और ज्यादा बेहाल हो सकते है। पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से शहर में तेज गर्मी का सिलसिला चल रहा है। तापमान लगातार 40 डिग्री से अधिक बना हुआ हैं। दोपहर में गर्म हवाओं के थपेड़े बेहाल कर रहे हैं, ऐसे में पूरे दिन लोगों को तपिश का सामना करना पड़ रहा है। शहर में गुरुवार को भी अधिकतम तापमान 41.2 और न्यूनतम 21.8 डिग्री रहा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अगले चार दिन तक प्रदेश में कहीं तेज लू का असर रहेगा तो कहीं हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति बन सकती है। इसके बाद पूरे प्रदेश में गर्मी का असर रहेगा।

ढाबे पर कर्मचारी व ग्राहक के बीच मारपीट, दोनों पक्षों पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। ढाबा कर्मचारी व ग्राहक के बीच मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों पर केस दर्ज किया। जमुनिया कला निवासी नितेश पिता पुष्पेन्द्र पाठक ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मक्खन ढाबे पर काउण्डर पर बिल बनाने का कार्य कर रहा था। इसी दौरान पिपलियामंडी निवासी राजू पिता दिनेश गुर्जर व हरसोल निवासी अजय पिता गिरधारीलाल चोधरी आए और नशे में गाली-गलौज करने लगे, मना कियास तो मारपीट शुरु कर दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर केस दर्ज किया। इसी तरह हरसोल निवासी अजय पिता गिरधारीलाल चोधरी ने शिकायत दर्ज कराई कि मक्खन ढाबे पर खाना खाने गए, बेसीन में पानी भरा हुआ था, जब काउण्टर पर बैठे नितेश पाठक को बताया तो वह गाली-गलौज करने लगा व मेरे व मेरे साथी राजू के साथ मारपीट की। पुलिस ने केस दर्ज किया।

ट्रक में स्कीम बनाकर हो रही थी तस्करी, एक क्विंटल से ज्यादा डोडाचूरा जप्त

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ पुलिस ने 01 क्विंटल से ज्यादा डोडाचूरा जप्त किया है। ट्रक में स्कीम बनाकर तस्करी हो रही थी। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर नीमच- मंदसौर हाईवे खेरखेडा फण्टा पर दबिश दी गई। इस दौरान एक ट्रक को रुकवाकर ट्रक मे बैठे चालक अनोप दान पिता खेत दान जाति चारण उम्र 60 साल निवासी ग्राम मतोडा जिला जोधपुर राजस्थान से पूछताछ की गई। इसके बाद ट्रक की तलाशी लेने पर 105 किलो डोडाचुरा मिला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी को आज शनिवार को न्यायालय में पेश कर रिमांड लिया जायेगा।

खेतों में जलाई नरवाई तो नहीं मिलेगी किसान सम्मान निधि

समर्थन मूल्य पर फसल भी नहीं बेच सकेंगे, एक मई से फैसला लागू

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अंचल के खेतो में अभी भी नरवाई जलाई जा रही है। कुछ मामलो में प्रशासन ने सख्ती करते हुए एफआईआर भी दर्ज कराई है। शासन भी इसको लेकर सख्त हो रहा है। अब नरवाई जलाने वाले किसान एमएसपी अर्थात न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल नहीं बेच पाएंगे। ऐसे किसानों को मप्र सरकार की ओर से सालाना मिलने वाले सीएम किसान सम्मान निधि के 06 हजार रुपए भी नहीं मिलेंगे।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में बड़ा फैसला लिया। यह फैसला 01 मई से लागू होगा। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश

कृषि आधारित राज्य है। फसल कटाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने के मामलों में बढ़ोतरी होने से वायु प्रदूषण सहित कई प्रकार से पर्यावरण को बहुत नुकसान हो रहा है। खेत में आग लगाने से जमीन में उपलब्ध पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और जमीन की उर्वरक क्षमता में भी गिरावट आती है। इसके लिए राज्य सरकार पहले ही नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगा चुकी है। पर्यावरण, मृदा संरक्षण और जमीन की उत्पादकता बनाए रखने के मद्देनजर राज्य सरकार अब यह निर्णय ले रही है, जो एक मई से लागू होगा।

तैयारी– आगामी 03 मई को मंदसौर में किसान सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव भी किसानो को संबोधित करेंगे। इस आयोजन हेतु जिला मुख्यालय के प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज के मैदान में तैयारिया शुरु हो गई है।

रतलाम रेंज में निवासरत 33 पाकिस्तानियों को जल्द छोड़ना होगा देश

रतलाम/मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर, नीमच और रतलाम अर्थात पुलिस की रतलाम रेंज में कुल 33 पाकिस्तानी है। जिन्हें जल्द देश छोड़ना पड़ सकता है। दरअसल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाक परस्त आतंकी हमले में देश के विभिन्न राज्यों के 28 पर्यटकों की मौत के बाद केंद्र सरकार की ओर से जो कदम उठाए गए हैं, उनमें से एक के तहत रतलाम रेंज के तीन जिलों के 33 पाकिस्तानियों को देश छोडना पड़ेगा। पुलिस ने इसकी तैयारी भी कर ली है। लेकिन, अधिकारिक आदेश का इंतजार किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने इस आशय का निर्णय बुधवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में किया था। इसके साथ ही कई अन्य निर्णय भी केंद्र सरकार ने लिए हैं। वीजा और पाकिस्तानियों की बात है तो रतलाम, मंदसौर और नीमच में इस समय 33 पाकिस्तानी दो तरह के वीजा पर आए हुए हैं। पुलिस विभागीय सूत्रों के अनुसार खूफिया तंत्र और पुलिस रिकॉर्ड ने जब ऐसे पाकिस्तानियों की जानकारी जुटाई तो यह तथ्य सामने आए कि तीनों ही जिलों में इस समय 33 पाकिस्तान एलटीवीपी और विजिट वीजा पर आए हुए हैं। डीआईजी मनोज कुमारसिंह के मुताबिक अभी तक जो जानकारी आई है, उसके अनुसार केंद्र सरकार ने सार्क वीजा रद्द किया है। नार्मल वीजा को लेकर यह निर्देश नहीं है।

पाकिस्तानियों पर फिलहाल क्या कार्रवाई की जाना है या इन्हें डिपोर्ट करना है, इसे लेकर पुलिस के पास फिलहाल कोई स्पष्ट गाइड लाइन नहीं होने से पुलिस के सामने असमंजस की स्थिति है। पुलिस अफसर भी निरंतर वरिष्ठ कार्यालय से संपर्क कर रहे हैं कि आगे किस तरह की कार्रवाई करें।

केंद्र ने पाकिस्तानियों को तत्काल प्रभाव से देश छोड़ने का जो आदेश दिया है, वह अभी निचले स्तर पर नहीं पहुंचा है। स्थानीय पुलिस ने अपने स्तर पर पूर्व तैयारी कर 33 पाकिस्तानियों की जानकारी जुटाई है, ताकि उपर से आदेश आते ही इस पर तत्काल अमल किया जा सके। विजिट वीजा पर भारत आने के बाद रतलाम, मंदसौर और नीमच जिले में रहने वाले आठ लोग इसी माह जाने वाले हैं। इनमें विजिट वीजा की अवधि खत्म होने पर रतलाम से छह जने इसी माह और मंदसौर से तीन लोग तुरंत रवाना हो रहे हैं।

कई तरह के वीजा...

इस समय रतलाम रेंज में एलटीवीपी वीजा और विजिट वीजा वालों की जानकारी सामने आई है। एलटीवीपी वीजा लांग टर्म विजिट पास होता है। जबकि, विजिट वीजा घुमने-फिरने या देश में विजिट करने के हिसाब से मिलता है। सार्क वीजा में सार्क संगठन के देशों के नागारिकों के लिए वीजा होता है।

विचार-मंथन

अमरनाथ यात्रा से पहले डर फैलाने की गंभीर साजिश

जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ समय से आतंकवादी संगठनों के हमले और उनकी सक्रियता में जिस कदर बढ़ोतरी देखी जा रही है, उससे यह चिंता स्वाभाविक है कि क्या यह समस्या एक बार फिर जटिल शक्ल अख्तियार कर रही है। इतना साफ है कि आतंक के रास्ते भारत में जो मकसद वे हासिल करना चाहते हैं, उसका पूरा होना संभव नहीं है, लेकिन यह भी देखा जा सकता है कि उनके हमलों की रणनीति में जो बदलाव आया है, वह इस समस्या को और गंभीर बना रहा है। आए दिन वहां से अब आतंकी हमलों, उनसे सुरक्षा बलों की मुठभेड़, कुछ आतंकियों का मारा जाना या फिर किसी जवान की शहादत की घटनाएं अक्सर सामने आने लगी हैं। बीते कुछ वर्षों में पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों ने सुरक्षा बलों के शिविरों पर हमले करने के समांतर लक्षित हमलों की रणनीति अपनाना शुरू कर दिया है। अब इसी क्रम में आतंकियों ने पर्यटकों पर हमले शुरू कर दिए हैं, जिसके पीछे छिपी मंशा स्पष्ट दिखती है कि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन या अन्य कारणों से आने वालों के भीतर खौफ पैदा किया जा सके। कश्मीर में पहलगाम के बैसरन इलाके में मंगलवार को आतंकवादियों ने पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें बीस से ज्यादा लोगों के मारे जाने और कई के घायल होने की खबर आई। दरअसल, जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका जगजाहिर रही है। माना जाता रहा है कि इसी वजह से आतंकवादी संगठन पर्यटन स्थलों का रुख करने वाले लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, ताकि वहां पर्यटकों का आना-जाना निर्बाध रहे। अगर देश-दुनिया से वहां घूमने जाने वालों के भीतर डर बैठा, तो वहां की अर्थव्यवस्था पर इसका विपरीत असर पड़ सकता है। लेकिन इस बार पर्यटकों को निशाना बना कर आतंकियों ने न केवल बाहरी लोगों को डराने, बल्कि वहां की अर्थव्यवस्था की रीढ़ पर हमला करने की कोशिश की है। इसके अलावा, जुलाई की शुरुआत में अमरनाथ यात्रा भी शुरू होने वाली है और वहां जाने का रास्ता पहलगाम से होकर गुजरता है। ऐसे में आतंकियों के इस हमले को अमरनाथ यात्रा को प्रभावित करने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है। पर्यटकों पर गोलीबारी हाल के दिनों में सबसे गंभीर घटना मानी जा रही है, जिसके पीछे मंशा न केवल सुरक्षा बलों और सरकार को चुनौती पेश करना, बल्कि बाहरी लोगों को डराना है। इससे उन्हें अपना एक मकसद यह भी पूरा होने की उम्मीद है कि वे स्थानीय और बाहरी लोगों के भीतर खाई पैदा कर सकेंगे। मगर ऐसे आतंकी हमलों के बाद अब वहां की स्थानीय आबादी के बीच आतंकियों के खिलाफ जिस तरह का आक्रोश देखा जाता है, वह भविष्य के लिए एक उम्मीद जगाता है। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर की मुख्यधारा की लोकतांत्रिक राजनीति में सक्रिय लगभग सभी दलों और उनके नेताओं ने इसकी तीखी आलोचना की और इसे कायराना हरकत बताया। मगर हकीकत यह भी है कि जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन का दौर रहा हो या फिर उसके बाद बड़ी जद्दोजहद के बाद शुरू हुई लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसके तहत चुनी हुई सरकार का गठन, आतंकी वारदात पर काबू पाने की कोशिशें नाकाम दिखती हैं। अगर सरकार की ओर से इस मसले पर ठोस और सुचिंतित कार्रवाई नहीं की गई, तो इसके दूरगामी घातक नतीजे सामने आ सकते हैं।

लुप्त होते नदियों-नालों को बचाने के लिए आगे आना होगा...

सी पी राजेंद्रन

अक्सर हम गंगा और यमुना जैसी प्रमुख नदियों की दयनीय स्थिति पर चर्चा करते समय इन छोटी नदियों को नजर अंदाज कर देते हैं. ये नदियां देश भर में फैली धमनियां हैं और प्रकृति के प्रतिनिधि के रूप में अपना काम करती हैं. भारत नदियों के साथ ही नालों का भी देश है. भारत में छोटी-छोटी जलधाराएं और नाले नदी के पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि ये नदियां औसत से बहुत नीचे हैं. साथ ही इनमें से कई मूल्यवान भौगोलिक इकाइयां या तो गायब हो गई हैं या विलुप्त होने के कगार पर हैं. जैसा कि देखा जा रहा है कि हिमालय पर्वतमाला से लेकर दक्षिण भारत तक देश भर में जलधाराएँ और नाले, तेजी से हो रहे शहरीकरण, अतिक्रमण, निर्मित पर्यावरण के विस्तार और प्रदूषण के कारण नालों और सीवरों में बदलते जा रहे हैं. ये भी दिख रहा है कि कई बार सरकारें जो नदियों की रक्षक होनी चाहिए, वे विध्वंसक भी बन जाती हैं. उत्तराखंड राज्य में शिवालिक पहाड़ियों और लघु हिमालय के भीतर दून घाटी में स्थित शहर देहरादून के पास की कुछ छोटी-छोटी नदियों और धाराओं के उदाहरण हमारे सामने हैं. ये हमें भारत के छोटी-छोटी नदियों के संकट की एक व्यापक तस्वीर दिखाते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की 15 अप्रैल, 2025 की रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने रिस्पना और बिंदल नदियों के आसपास निर्माण गतिविधियों को सस्पेंड कर दिया है. यह निर्देश देहरादून और आसपास के क्षेत्रों में अतिक्रमण और पर्यावरण क्षरण से संबंधित कई जनहित याचिकाओं यानी पीआईएल पर सुनवाई के बाद जारी किया गया था. टीओआई की रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि राज्य सरकार ने एक जवाब दिया है, जिसमें रिस्पना और बिंदल नदियों के चिन्हित प्राकृतिक जल स्रोतों के पास हाई मास्ट रोशनी और सीसीटीवी लगाने का संकेत दिया गया है. इसके अतिरिक्त, जल स्रोतों के पास मलबा निपटान को रोकने के लिए एक जागरूकता चलाना है. इस दौरान नगर निगम ने अदालत को सूचित किया कि उसने देहरादून में 1,000 हेक्टेयर से अधिक अतिक्रमित भूमि को साफ कर दिया है. इसके साथ ही नदियों में मलबा निपटाने वाले ठेकेदारों पर मुकदमा चलाया जाएगा। पीठ ने इस दौरान सहस्त्रधारा नदी में डूबी हुई भूमि पर बड़े पैमाने पर निर्माण और ऋषिकेश में नदियों और ढलानों पर अनधिकृत निर्माण से उत्पन्न होने वाली पर्यावरणीय समस्याओं पर प्रकाश डालने वाली अन्य जनहित याचिकाओं पर भी सुनवाई की। 17 फरवरी, 2025 को एएनआई द्वारा दायर की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य सरकार रिस्पना नदी के तल पर 11 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले एलिवेटेड कॉरिडोर और बिंदल नदी के तल पर 15 किलोमीटर लंबे हाईवे कॉरिडोर पर काम शुरू करने का इरादा रखती है. रिपोर्ट के मुताबिक, इस परियोजना में लगभग 26 किलोमीटर की संयुक्त लंबाई वाले दो एलिवेटेड हाईवे बनाने की परिकल्पना की गई है. इसकी अनुमानित लागत 6000 करोड़ रुपये से अधिक है. इसकी वजह से नदी के मार्ग व्यावहारिक रूप से नष्ट हो जाएंगे. इस बारे में पर्यावरणविद रवि चोपड़ा का कहना है कि, एक तरफ तो राज्य सरकार इन जल निकायों को पुनर्जीवित करने और नदी के किनारों को सुंदर बनाने की बात करती है. दूसरी तरफ, वह एलिवेटेड सड़कों की योजना बना रही है, जो उनकी मौत को सुनिश्चित करेगी. ये सड़कें बाहरी हिमालय की छाया में होंगी, जो भूकंप के लिए अतिसंवेदनशील हैं. जहां जलवायु परिवर्तन के कारण भारी बारिश भी हो रही है. विशेषज्ञों ने नदी के तल को पक्का करने और नदी तल पर घाट बनाने के इन प्रयासों की निंदा की है. जिससे पड़ोसी क्षेत्रों में बाढ़ आने की संभावना बढ़ जाएगी. नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करने से भूजल भंडार भी कम हो जाएगा। मोहनराव नदी शिवालिक-तराई क्षेत्र में स्थित, हरिद्वार जिले की एक गतिशील नदी प्रणाली है. इसमें चौड़ा और सपाट बोल्डर चैनल है. यह उच्च शिवालिक श्रेणी में घाटियों से होकर और मोहंड शहर के पास बहती है. यह जल निकासी नेटवर्क मोहंड एंटीकलाइन की टेक्टोनिक गतिविधि और जलवायु और लिथोलॉजी से भी काफी प्रभावित है. इस क्षेत्र के अपेक्षाकृत करीब रुड़की स्थित है. रुड़की, हरिद्वार से 30 किमी दूर है. यहां नदी की गतिशीलता बहुत ही महत्वपूर्ण है. इसमें इसकी चौड़ी, सपाट बोल्डर चैनल शामिल है. हिमालय की तलहटी क्षेत्र में महत्वपूर्ण नदी संबंधी विशेषताएं हैं. मोहनराव नदी अल्पकालिक नदी है. ये मानसून के दौरान सक्रिय हो जाती है. दिल्ली-देहरादून राजमार्ग के हिस्से के रूप में चार लेन की सड़क के निर्माण से भी प्रभावित हो रही है। इस तरह से देखा जाए तो जल धाराओं से पार्श्व तनाव और सड़क से ऊर्ध्वाधर तनाव के संपर्क में आने की वजह से नदी तल में सड़क के खंभे बनाने से कई संभावित समस्याएं पैदा होती हैं. खासकर ये नदी की गतिशीलता से पैदा होती हैं. क्योंकि इससे वर्षा की तीव्रता बढ़ जाती है. इससे पैदा हुई चुनौतियों में खंभों का घिसना और कमजोर होना शामिल है. हमने हाल के वर्षों में बड़ी बाढ़ देखी है, जिसने पुलों को बर्बाद या नष्ट कर दिया है. तेज धाराएं खंभों के आसपास नदी तल को नष्ट कर सकती हैं. इसकी वजह से घिसावट हो सकती है और नींव कमजोर पड़ सकती है. इसकी वजह से पुलों के टूटने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है. पानी का प्रवाह, तलछट का परिवहन और बाढ़ और सूखे से सभी खंभों की नींव की मजबूती को कमजोर कर सकते हैं. इससे वे अस्थिरता और क्षति के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं. ऐसे में नदी तल को नष्ट करने से चैनल की क्षमता भी कम हो जाएगी. मध्यम प्रवाह होने से घटनाओं के दौरान भी बाढ़ का जोखिम बढ़ जाएगा. इसके साथ ही चैनल का उखड़ना अक्सर आसपास के क्षेत्रों की इमारतों और कृषि भूमि को नुकसान पहुंचाता है। वर्तमान में म्युनिख में राहेल कार्लसन सेंटर में कार्यरत अन्वेषा बोरठाकुर और दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजी डीएवी कॉलेज में पर्यावरण अध्ययन विभाग में कार्यरत प्रदीप सिंह ने साल 2016 में ऊर्जा, पारिस्थितिकी, पर्यावरण में प्रकाशित अपने शोधपत्र में सूखे हुए नालों के कुछ उदाहरण साझा किए हैं.. उदाहरण के लिए, असम में गुवाहाटी से होकर बहने वाली भरलू नदी और उसकी बहिनी नदी अनियोजित शहरीकरण के कारण सीवर में तब्दील हो गई है।

अबकी बार-एक लाख के पार...

जॉर्ज मैथ्यू

देश में सोने की कीमतों में बड़ा उछाल आया है। अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल के कारण सोने की कीमतें पहली बार 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से ऊपर पहुंच गई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फेडरल रिजर्व में सुधार की योजना का खुलासा करने के बाद अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल आया। अस्थिर वैश्विक वित्तीय बाजारों में सोने को सबसे सुरक्षित निवेश के रूप में देखा जा रहा है। एक लाख के पार गोल्ड प्राइस मंगलवार को मुंबई सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने (999 शुद्धता) की कीमत 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मंगलवार को 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। ग्लोबल मार्केट ट्रंप की टैरिफ योजनाओं और अमेरिकी फेड में सुधार की उनकी धमकी के कारण बेचैन बने हुए हैं, जिससे महंगाई और ब्याज दरों में उछाल आ सकता है। भारत में सोने की कीमतें आम तौर पर अंतरराष्ट्रीय कीमतों के अनुसार बढ़ती-घटती रहती हैं। अमेरिकी डॉलर में गिरावट के बावजूद ग्लोबल सोने की कीमतों में उछाल जारी रहा और कीमतें 3,400 डॉलर प्रति औंस को पार कर गईं। मार्च 2024 से सोने में करीब 59 फीसदी की तेजी आई है। कमजोर डॉलर सोने की मांग को बढ़ाता है, क्योंकि यह विदेशी मुद्रा रखने वाले निवेशकों के लिए अधिक किफायती बनाता है। न्यूयॉर्क में आज सोने की कीमत लगभग 3,486.85 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस है। सोने की कीमत में तेजी काफी हद तक अमेरिकी मौद्रिक नीति को लेकर नए सिरे से अनिश्चितता के कारण हैं। ट्रम्प द्वारा फेडरल रिजर्व में सुधार की योजना का खुलासा करने के बाद यह बदलाव आया है। भू-राजनीतिक जोखिम, मजबूत केंद्रीय बैंक की मांग और लगातार मुद्रास्फीति की चिंताओं से भी सोने की कीमतों में उछाल आया है। रूस-यूक्रेन के मोर्चे पर भी तनाव बढ़ गया है। अनिश्चितता ब्याज दरों पर यूएस फेड के फैसले के लिए आगे की राह को कठिन बना रही है। एलकेपी सिक्योरिटीज के रिसर्च विश्लेषक जतिन त्रिवेदी ने कहा कि टैरिफ तनाव बढ़ने, अमेरिकी आर्थिक दृष्टिकोण और अमेरिकी लोन संकट को लेकर चिंताओं से इसे समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि चीन, वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों की ओर से लगातार खरीदारी ने तेजी को गति दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आलोचना ने निवेशकों के विश्वास को हिला दिया है, जिससे डॉलर में तेजी से गिरावट आई है और सुरक्षित-पनाहगाह सोने ने रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। वेंचुरा में कमोडिटीज के प्रमुख एन एस रामास्वामी ने कहा, ये फेड की स्वतंत्रता के बारे में चिंताएं बढ़ा रहे हैं, जिससे वित्तीय बाजारों में हलचल मची हुई है। अमेरिकी डॉलर (तीन साल के निचले स्तर पर) और जोखिम वाले इक्विटी बाजारों को झटका लगा है, जबकि सोने को फायदा हुआ है। ट्रंप ने हाल ही में कहा कि वह ब्याज दरों में कटौती न करने के लिए बर्खास्त करने का इंतजार नहीं कर सकते, जबकि अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के जोखिम डॉलर को कुचल रहे हैं और महंगाई को बढ़ा रहे हैं। सोमवार को अमेरिकी डॉलर में गिरावट जारी रही, जो 2022 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया। आईसीई यूएस डॉलर इंडेक्स जो विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर को मापता है, वह सोमवार को 97.92 तक गिर गया। भारत, चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोने का बाजार है। 2024 में देश में सोने की मांग 802.8 टन थी, जबकि 2023 में यह 761 टन थी। चीन की मांग 985 टन थी। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कुल सोने की मांग 2024 में 31 प्रतिशत बढ़कर 5.15 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी, जबकि 2023 में यह 3.92 लाख करोड़ रुपये होगी। भारतीय संस्कृति में सोने का एक महत्वपूर्ण स्थान है, जिसे अक्सर पीढ़ियों से संचित किया जाता रहा है। अस्पताल के खर्च और कॉलेज की फीस जैसी वित्तीय जरूरतों के दौरान, लोग लोन हासिल करने के लिए आभूषणों जैसे अपने सोने के सामान को गिरवी रखने के लिए अधिक इच्छुक होते हैं। एक विश्लेषक ने कहा, पिछले कुछ महीनों में अर्थव्यवस्था में मंदी ने उपभोक्ताओं को वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए सोना गिरवी रखने के लिए प्रेरित किया होगा। ट्रेड वॉर या मुद्रास्फीति जैसी आर्थिक अनिश्चितता के दौर में, सोने को एक स्थिर संपत्ति के रूप में माना जाता है, जिससे लोग तत्काल वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए गोल्ड लोन का विकल्प चुनते हैं।

भारत-अमेरिका संबंधों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं पहली हिंदू सेकंड लेडी उषा वेंस

अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपनी आत्मकथा 'हिलबिली एलिजी = ए मैमोरी ऑफ ए फैमिली एंड कल्चर इन क्राइसिस' में पत्नी उषा वेंस को अपनी आध्यात्मिक मार्गदर्शिका बताया। यह तो सभी जानते हैं कि उषा वेंस की जड़ें भारत से जुड़ी हैं, लेकिन उनके व्यक्तित्व के विषय में बहुत अधिक जानकारी भारतीयों को नहीं है। अमेरिका की सेकंड लेडी उषा वेंस इन दिनों अपने पति और तीनों बच्चों के साथ भारत दौरे पर हैं। उषा एक सफल वकील हैं और हिंदू महिला के रूप में पहली अमेरिकन सेकंड लेडी भी बनी हैं। उनकी भारतीय संस्कृति में गहरी आस्था है और वो हिंदू रीति-रिवाज को मानती हैं। उषा वेंस का परिवार मूलरूप से आंध्र प्रदेश का रहने वाला है। उनके पिता कृष्णा चिलुकुरी आईआईटी मद्रास से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद 1980 के दशक में अमेरिका चले गए थे। जहां वो सैन डिएगो स्टेट यूनिवर्सिटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर हो गए। उनकी मां लक्ष्मी चिलुकुरी भी मॉलिक्यूलर बॉयोलॉजी की प्रोफेसर रही हैं। उषा के दादा राम शास्त्री चिलुकुरी आईआईटी मद्रास में भौतिक विज्ञान के पहले विभागाध्यक्ष रहे हैं। उनके नाम से आईआईटी मद्रास में छात्र पुरस्कार दिया जाता है। उषा वेंस के ब्राह्मण परिवार की जड़ें आंध्र प्रदेश के वडुरु गांव से जुड़ी हैं, जहां उनके पूर्वज संस्कृत के विद्वान थे। उषा वेंस की दादी चिलुकुरी संधम्मा आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम के निजी विश्वविद्यालय में फिजिक्स पढ़ा चुकी हैं और उन्होंने भगवत गीता की अंग्रेजी व्याख्या लिखी है। उषा वेंस का पूरा परिवार भारतीय संस्कृति और शिक्षा के प्रति गहरी श्रद्धा रखता है। भारतीय परंपराओं के अनुसार की शादी 6 जनवरी 1986 को कैलिफोर्निया के सैन डिएगो काउंटी में जन्मी उषा वेंस ने इतिहास में स्नातक और दर्शनशास्त्र में एम.फिल किया है। उन्होंने येल लॉ कॉलेज से कानून की डिग्री प्राप्त की। उषा ने येल-चाइना टीचिंग फेलो के रूप में चीन के ग्वांगझू में सन येत सेन यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी और अमेरिकी इतिहास पढ़ाया है। उषा की जेडी वेंस से मुलाकात येल लॉ स्कूल में हुई थी और दोनों ने वर्ष 2014 में भारतीय परंपराओं के अनुसार हिंदू रीति-रिवाजों से शादी की। उनके तीन बच्चे दो बेटे इवान और विवेक व बेटी मीराबेल रोज है। जेडी वेंस के उप राष्ट्रपति बनने के सफर में उषा का बहुत बड़ा योगदान है। वर्ष 2024 के रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में उषा ने ही पति का परिचय दिया था और उनके कठिन बचपन तथा संघर्षों के विषय में बताया था। अपने पति के राजनीतिक करियर में उषा ने न केवल व्यक्तिगत, बल्कि मानसिक समर्थन भी दिया है। सार्वजनिक मंचों पर जेडी वेंस के अभियानों को मजबूती दी है। उषा वेंस का फैशन सेंस भी दुनियाभर में चर्चा का विषय रहा है। उषा को उनके परिष्कृत और आत्मविश्वास से भरे लुक के लिए सराहा जाता है। एक समारोह में उन्होंने गुलाबी रंग की कोट ड्रेस पहनी थी, जो सोशल मीडिया और मीडिया में चर्चा का विषय बना था। भारत-अमेरिका संबंधों में उषा वेंस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। वो भारतीय संस्कारों और हिंदू रीति-रिवाज को मानती हैं। शाकाहारी उषा वेंस की प्रेरणा से जेडी वेंस भी शाकाहार को अपनाने की ओर बढ़ चले हैं। भारत की बेटी उषा वेंस पर सभी भारतीयों को गर्व है। भारत के पक्ष को उषा वेंस अमेरिका में मजबूती से रखेंगी, यही उम्मीद सभी भारतीय करते हैं। यह लेखक के निजी विचार हैं।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5577

	4	7			3			5
			6	8	7		4	
			2	4		9		7
		6					1	8
				1				
2	7					5		
8		5		6	1			
	9		8	5	2			
1			9			8	5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5576

1	4	7	9	5	3	8	2	6
9	5	3	8	6	2	4	7	1
6	2	8	1	7	4	9	5	3
3	6	9	7	1	8	5	4	2
4	1	2	3	9	5	6	8	7
7	8	5	4	2	6	1	3	9
2	9	1	5	8	7	3	6	4
5	3	6	2	4	1	7	9	8
8	7	4	6	3	9	2	1	5

वर्ग पहेली 5577

संकेत: बाएं से दाएं

1. 18 जुलाई 1996 को वर्तमान दौर की इस महिला क्रिकेट खिलाड़ी ने जन्म लिया (5)
5. दक्षिणी अमेरिका के प्रशांत तट पर स्थित देश जिसकी राजधानी लीमा है (2)
7. भास्कर, रवि, दिनपति, सूर्य (4)
9. एक प्रकार का रासायनिक द्रव्य, शुद्ध वायु (3)
11. इसे उर्दू में हिना कहते है, मेंहदी (3)
12. स्वर, [illegible] (2)
13. पदचिन्ह, चरण, कदम (3)
15. अकुलीनता, अधमता, दुर्गुणता (3)
17. पटना से करीब 90 किमी दूर जहां तिल आदि से श्राद्ध करने से चार महापातकों से मुक्ति होती है (2)
18. क्रिकेट से संबंधित एक शब्द (2)
19. अनुभवी, प्रवीण, सतर्क (4)
22. मेंड़बंदी, सीमांकिकरण करना (3)
23. हिंदी के बारह महीनों में से एक (3)

ऊपर से नीचे

1. एक भारतीय टीवी अभिनेत्री व वर्तमान दौर की भाजपा महिला नेत्री (5)
2. उपासना गृह, देवालय, इबादतगाह (3)
3. तृणजाति का एक पौधा जिसके बीज से चावल निकलते है (2)
4. परेशान होना, छकना, तंग आना (7)
6. पसंदगी, इच्छा, दिलचस्पी (2)
8. करुणा, दया, तरस (3)
10. पृथ्वी पर विचरने वाले प्राणी (4)
14. हवा, पवन, वायु, [illegible] (3)
16. मुगल सम्राट अकबर के एक दरबारी रत्न जिनका मूल नाम रामतनु पाण्डेय था (4)
17. दक्षिणी अमेरिका के उत्तरी-पूर्वी तट से स्थित देश जिसकी राजधानी जॉर्जटाउन है (3)
20. मिलाप, उपलब्ध, मिला (3)
21. जो रिश्ते में माता की बहन पति हो (2)

वर्ग पहेली 5576 हल

कि	न	ली	द	■	ल	ह	द
ते	■	मि	ल	म	■	का	ह
अ	ध	क	■	र	क	म	■
मा	ल	■	■	ह	स	ह	ल
द	खा	सु	■	म	■	ल	ट
■	कल	■	रा	■	अ	■	क
स	र	कम	र	■	मि	या	न
कर्ण	■	■	स	र	कम	ना	■

27 अप्रैल को इंदौर में आईटी और 3 मई को मंदसौर में होगा एग्रीकल्चर कॉन्क्लेव-मुख्यमंत्री

युवाओं की आत्मनिर्भरता व रोजगार और किसानों की आय बढ़ाने तथा खेती को लाभकारी बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के युवाओं की आत्मनिर्भरता और रोजगार के लिए राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में कार्य कर रही है। उद्योगों में निवेश प्रोत्साहन के लिए आगामी 27 अप्रैल को इंदौर में आईटी इंडस्ट्री-कॉन्क्लेव और 3 मई को एग्रीकल्चर कॉन्क्लेव मंदसौर में आयोजित की जा रही है। मालवांचल सहित प्रदेश में कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। उन्नत फसलों और पशुपालन से किसानों की आय बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। राज्य सरकार किसानों को सोलर पंप प्रदान कर बिजली के बिल से बोझ से उन्हें मुक्त करने के लिए भी कार्य कर रही है। किसान खेती की नई तकनीक की जानकारी प्राप्त करें और नवाचारों से प्रेरणा लें, इस उद्देश्य से कृषि पर केन्द्रित कॉन्क्लेव आयोजित किया जा रहा है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती को लाभकारी बनाने की दिशा में हरसंभव प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश का किसान सम्पन्न होगा तो प्रदेश और देश भी समृद्ध होगा। राज्य सरकार युवा, महिला और किसान के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को मीडिया के लिए जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में प्रथम प्रवेशित कक्षा में प्रवेश के संबंध में दिशा-निर्देश

प्रदेश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों को गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों की प्रथम प्रवेशित कक्षा की 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर सत्र 2025-26 के लिये ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से निशुल्क प्रवेश शीघ्र प्रारंभ किये जा रहे हैं। इस संबंध में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ करने के पूर्व गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों और जिला परियोजना समन्वयक द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। इसी कार्यवाही के बाद प्रदेश में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया सुचारू रूप से पूर्ण हो सकेगी। राज्य शिक्षा केन्द्र ने इस संबंध में जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश जारी किये हैं। गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय स्कूल यदि अल्पसंख्यक स्कूल है, तो सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वैध जीवित प्रमाण-पत्र की हस्ताक्षरित प्रति 25 अप्रैल 2025 तक जिला परियोजना समन्वयक को प्रदान करने के लिये कहा गया है। आरटीई के तहत प्राप्त आवेदनों के मूल दस्तावेजों के परीक्षण के लिये सत्यापन अधिकारी नियुक्त कर पोर्टल पर मैप करने के लिये कहा गया है। निर्देशों में कहा गया है कि सत्यापन के बाद जिला परियोजना समन्वयक 26 अप्रैल 2025 तक कार्य पूर्णता का प्रमाण-पत्र राज्य शिक्षा केन्द्र को प्रेषित करेंगे। इस आशय के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक-जिला शिक्षा केन्द्र और समस्त विकासखंड स्रोत समन्वयक को दिये गये हैं। इस संबंध में विस्तृत निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग के एजुकेशन पोर्टल पर देखे जा सकते हैं।

श्री गोवर्धननाथ मंदिर में वल्लभाचार्य जयंती मनाई

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पुष्टिमार्ग के प्रवर्तक महाप्रभु श्रीमद् वल्लभाचार्य जी ने संपूर्ण भूमंडल पर अपने सिद्धांतों की ऐसी छाप छोड़ी है कि आज भी पुष्टिपरंपरा में उनके सिद्धांतों का अक्षरशः पालन किया जाता है। यह विचार सांसद सुधीर गुप्ता ने श्री गोवर्धन नाथ मंदिर जीवागंज में महाप्रभु श्रीमद् वल्लभाचार्य जी की जयंती पर आयोजित समारोह में व्यक्त किए। आपने कहा कि श्री वल्लभाचार्य जी का संपूर्ण जगत पर यह बहुत बड़ा उपकार है कि उन्होंने हम सबको भगवान श्री कृष्ण की भक्ति की तरफ प्रेरित किया। श्री गुप्ता ने कहा कि वल्लभाचार्य जी ने पूरे देश में 84 स्थानों पर अपनी बैठक की स्थापना की जिन्हें आज भी महाप्रभु जी की बैठक के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने पुष्टिसिद्धांतों के माध्यम से जन-जन में ठाकुर जी के प्रति भक्ति को जागृत किया और उनकी सेवा परंपरा को स्थापित किया। वरिष्ठपत्रकार श्री ब्रजेश जोशी ने इस अवसर पर कहा कि वल्लभाचार्य जी के समय देश में जो हालात थे लगभग वैसे ही हालात आज भी बने हुए हैं। आक्रांताओं ने उनके समय भी सनातन परंपरा को नष्टकरने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। किंतु महाप्रभु जी ने जन-जन के मन में ईश्वर के प्रति विश्वास को जागृत किया और अपनी भक्ति सेवा और ज्ञान परंपरा से उन्हें जोड़कर अपने धर्म के प्रति नैष्ठिक रहने का संदेश दिया। आक्रांताओं के डर से लोगों ने मंदिर जाना छोड़ दिया तब वल्लभाचार्य जी ने घर-घर में ठाकुर जी की सेवा की परंपरा का सूत्रपात किया जो आज भी चल रहा है।पुष्टिमार्ग के अनुयायियों के घरों में पूर्ण विधि से आज भी ठाकुर जी की पूजा सेवा के रूप में की जाती है। कार्यक्रम में श्रद्धालु महिलाओं और बच्चों ने महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य जी के व्यक्तित्व पर केंद्रित पद गीत और वार्ताएं प्रस्तुत की। बड़ी संख्या में श्रद्धालु वैष्णव जन उपस्थित थे। आरम्भ में मंगलाचरण के पद गाय गया। महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य जी के विग्रह पर सांसद और समारोह के मुख्य अतिथि वक्ता सुधीर गुप्ता, श्री गोवर्धन नाथ मंदिर न्यास के वरिष्ठ न्यासी श्री राधा कृष्ण पारिख, हेमंत भाई शाह आदि ने माल्यार्पण किया। संचालन श्री प्रबोध भाई पारिख ने किया।

सायंकाल निकली शोभायात्रा- श्री वल्लभाचार्य जयंती के अवसर पर प्रति वर्ष के अनुसार श्री गोवर्धननाथ मंदिर जीवागंज से सायंकाल विशाल शोभायात्रा निकाली गई महाप्रभु जी की बड़ी तस्वीर को खुली बग्गी में स्थापित किया गया जबकि उनके छोटे विग्रह को शोभायात्रा में पालकी में विराजमान किया गया। शोभायात्रा जीवागंज सेनयापुरा रोड कालाखेत, नेहरूबस स्टेंड, भारत माता चौराहा, कालिदास मार्ग से सदर बाजार धानमंडी बड़ा चौक गणपति चौक होते हुए पुनः जीवागंज गोवर्धननाथ मंदिर में संपन्न हुई। अनेक स्थानों पर श्रद्धालु वैष्णव जनों ने शोभायात्रा का स्वागत किया और महाप्रभु जी के विग्रह की पूजा की।शोभायात्रा में बड़ी संख्या में वैष्णव जन सम्मिलित हुए जिनमें युवा बच्चे महिलाएं सभी शामिल थे।

अभाविप द्वारा पाकिस्तानी आतंकवादियों का पुतला जलाया

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अभाविप मंदसौर नगर इकाई द्वारा कश्मीर के पहलगांव में हाल ही में हुए कायरतापूर्ण और अमानवीय आतंकी हमले के विरोध में अग्रणी महाविद्यालय मन्दसौर के गेट से विरोध प्रदर्शन कर आतंकवाद प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गया। पुतला का दहन महाराणा प्रताप चौराहा पर किया गया। जिसकी अपरांत 2 मिनट का मोन रखकर हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों की आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से मालवा प्रांत कार्यकारिणी सदस्य महिपाल सिंह गौड, मालवा प्रांत जिज्ञासा प्रांत संयोजक निलेश माहेश्वरी, मंदसौर भाग संयोजक चंद्राज पॉवर, नगर सह मंत्री विनय शर्मा, परिसर अध्यक्ष अमित गुप्ता एवं सर्वेश, सुजल, सूरज, राहुल ठाकुर, राहुल जाट, अंकित, राजेंद्र, ध्रुव, कनिष्क एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिवसेना ने आतंकियों का पुतला दहन किया

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शिवसेना महाराष्ट्र उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शिवसेना मध्यप्रदेश प्रभारी सुरेश गुर्जर, शिवसेना राज्यप्रमुख राजीव चतुर्वेदी, उप राज्य प्रमुख डॉ. महेन्द्रसिंह मध्यप्रदेश महासचिव जितेन्द्र चतुर्वेदी, उज्जैन संभाग प्रमुख शांतिलाल पाटीदार के निर्देशानुसार आज मंदसौर जिला मुख्यालय पर शिवसेना मंदसौर ने स्थानीय गांधी चौराहा पर आतंकवाद का पुतला दहन कर भारत सरकार से पाकिस्तान पर कड़ी कार्यवाही की मांग की। शिवसैनिकों ने कहा कि पाकिस्तान दोस्ती की भाषा नहीं समझता है। वह आये दिन आतंकी घटनाएं कर पीछे से वार करता है व मासूम लोगों की जान लेता है। ऐसे देश के विरूद्ध भारत सरकार कठोर कार्यवाही करे जिससे आतंकवाद का पूरी तरह सफाया हो सके। इस अवसर पर शिवसेना जिला प्रमुख कमलेश राजगुरू, जिला उपप्रमुख भेरूलाल देवड़ा नायक, संगठन प्रमुख नरसिंग बैरागी, जिला सचिव ओमप्रकाश यादव, तहसील प्रमुख राकेश योगी, महिला जिला प्रमुख विद्युतलता मनोरमा मेडम, मल्हारगढ़ तहसील उपप्रमुख मुकेश पंवार नायक सिंदपन, सुनील जोगी, मनीष अर्पित कोठारी, अनील जोशी, नवल गुर्जर, दिप्तीकुंवर, सुनीता आदि शिवसैनिक उपस्थित थे। अंत में आभार शिवसेना जिला प्रमुख भेरूलाल देवड़ा नायक ने माना।

मुस्लिम महासभा द्वारा आतंकी हमले की निंदा

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुस्लिम महासभा मंदसौर द्वारा कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए शुक्रवार को खानपुरा गेट पर आतंकवाद का पुतला दहन किया व महामहिम राष्ट्रपति के नाम थाना प्रभारी को ज्ञापन देकर मामले में सख्त कार्यवाही की मांग की। ज्ञापन में कहा कि हाल ही में हुए आतंकवादी हमले में हमारे देश के निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाबलों को जान माल की गंभीर हानी पहुंची है। यह कृत्य न केवल अमानवीय है बल्कि देश की एकता और अखण्डता के लिये भी गंभीर चुनौती है। मुस्लिम समाज व मुस्लिम महासभा मंदसौर इस कायराना हमले की घोर निंदा करती है और शहीदों को खिराज ए अकीदत पेश करते हुए उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करती है। तथा निवेदन करती है इस हमले के दोषियों को अति शीघ्र सजा दी जाए एवं जिन संस्थाओं व अधिकारियों की व चुक रही है उन पर भी सख्ती की जाए एवं ठोस व निर्णायक नीति अपनाकर देशवासियों को सुरक्षा प्रदान की जाए। इस अवसर पर काजी ए शहर मंदसौर आसीफ उल्लाह साहब, सदर अंजुमन ए इस्लाम सादिक हुसैन, पूर्व पार्षद साबिर हुसैन शाह, नायब काजी किफायतुल्लाह साहब, डॉ. वसीम खान, एहसान खान, रहिस खिलजी, कालू शाह मांड्वाले, इमरान शाह, जुबेर निजामी, सलाम अब्बासी, तनवीर सब्जीफरोश मुस्लिम महासभा पदाधिकारीगण व मुस्लिम समाजजन उपस्थित थे। यह जानकारी समीर पठान ने दी।

मजदूर कल्याण समिति ने निकाली आतंकवाद और पाकिस्तान की अर्थी

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मजदूर कल्याण समिति जिला मंदसौर द्वारा आतंकवादी एवं पाकिस्तान की अर्थी निकाल कर गांधी चौराहे पर आतंकवाद एवं पाकिस्तान का पुतला दहन किया गया तथा पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाये। इस अवसर पर मजदूर कल्याण समिति के पदाधिकारी उपस्थित हुए। इस दौरान प्रदर्शन करते हुए समिति कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान मुर्दाबाद , आतंकवाद मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए और सरकार से आतंकवाद के खिलाफ कठोर कदम उठाने की मांग की। समिति के प्रदेश अध्यक्ष करण सिंह परिहार, प्रदेश उपाध्यक्ष गोवर्धन हाडा, प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा पुष्पा चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष रेणुका रामावत, प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश अहिरवार, जिला मंत्री कालूराम सूर्यवंशी, संभाग अध्यक्ष रामकन्या मालवीय, प्रदेश मंत्री लक्ष्मी नारायण खींची, जिला संगठन मंत्री सुनील बंसल, प्रदेश महामंत्री बाबूलाल गुर्जर, जिला मंत्री अविनाश सरसिया, गौरव राठौर, विशाल बुंदेला आदि युवा मोर्चा के पदाधिकारी आदि उपस्थित हुए।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह पर सख्ती

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा अहम कदम उठाते हुए 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' की शुरूआत की गई है। यह पहल देश में बाल विवाह की सामाजिक कुरीति को समाप्त करने तथा किशोरियों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिये की गई है। एनएफएचएस-5 के आकड़ों के अनुसार प्रदेश में बाल विवाह की घटनाओं में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। अपर मुख्य सचिव महिला बाल विकास श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने सभी जिला कलेक्टर को पत्र लिख कर 30 अप्रैल अक्षय तृतीया पर होने वाले सामूहिक विवाह, जिसमें बाल विवाह होने की संभावना होती है, उसके रोकथाम के लिये विशेष गतिविधियों करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बाल विवाह रोकथाम के लिये विशेष रणनीति तय की गई है। श्रीमती शमी ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य देश भर में बाल विवाह की कुप्रथा को समाप्त करना युवा लड़कियों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल की जानकारी देते हुए कहा कि यह पोर्टल एक ऐसा अभिनव ऑनलाइन प्लेटफार्म है जो नागरिकों को बाल विवाह की घटनाओं की रिपोर्ट करन, शिकायत दर्ज करने और देश भर में बाल विवाह निषेध अधिकारियों (सीएमपीओ) के बारे में जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह रोकथाम के लिये 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के तहत व्यापक कार्ययोजना बनाई गई है। इसमें सभी सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। हेल्पलाइन नंबर 181, 1098, 100 और बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल (https://stopchild marriage.wcd.gov.in) का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। 28 अप्रैल को सभी ग्राम पंचायतों के पंच, सरपंच एवं सचिव बाल विवाह न होने देने की शपथ लेंगे, जिसे पंचायत भवनों में प्रदर्शित किया जाएगा। 29 अप्रैल को आंगनबाड़ी और स्कूलों के बच्चों द्वारा रैली निकाल कर आम जनता को बाल विवाह के खिलाफ जागरूक किया जाएगा।स्व-सहायता समूह की महिलाएँ गांवों में सामूहिक चर्चाओं के माध्यम से बाल विवाह रोकने के प्रयास करेंगी। 18 वर्ष से कम उम्र की अविवाहित किशोरियों की सूची बनाकर उसे जिला प्रशासन, पंचायतों और पुलिस को सौंपा जाएगा ताकि संभावित बाल विवाह पर नजर रखी जा सके। सामूहिक विवाह आयोजनों पर विशेष निगरानीके तहतपंचायत स्तर पर उन्मुखीकरण कार्यशालाएं आयोजित कर पंच/सरपंचों को सजग किया जाएगा।इसके अतिरिक्त विवाह आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले प्रभावशाली व्यक्तियों/समूहों का सहयोग लेकर सामाजिक चेतना का निर्माण किया जाएगा। स्थानीय मीडिया, सोशल मीडिया, दीवार लेखन, और व्हाटसएप समूहों के माध्यम से बाल विवाह के खिलाफ व्यापक जन-जागरूकता फैलाई जाएगी। प्रत्येक ग्राम/वार्ड में एक सूचना दल गठित किया जाएगा जिसमें शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा, शौर्यादल, पंचायत सदस्य, और अन्य जागरूक नागरिक शामिल होंगे। यह दल विवाहों की जानकारी एकत्र कर संभावित बाल विवाह की सूचना देंगे।जिला और विकासखंड स्तर पर 247 नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाएंगे जो प्राप्त सूचनाओं को त्वरित रूप से अधिकारियों तक पहुंचाएंगे। जिला और परियोजना स्तर पर उड़न दस्ते गठित किए जाएंगे जो विवाह स्थलों का भ्रमण कर निगरानी करेंगे और आवश्यकतानुसार बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत कार्रवाई करेंगे।प्रदेश सरकार ने अक्षय तृतीया जैसे अवसरों पर संभावित बाल विवाह की घटनाओं को रोकने के लिए एक सशक्त, समन्वित और बहुस्तरीय योजना बनाई है। इसमें न केवल सरकारी तंत्र बल्कि समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि बाल विवाह मुक्त भारत का सपना साकार किया जा सके।

सीए ब्रांच ने आतंकी हमले में दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि दी

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंटस ऑफ इंडिया के समस्त सदस्य पहलगाम आतंकी हमले में दिवंगत हुए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देते हैं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। इस कठिन समय में इंस्टीट्यूट का प्रत्येक सदस्य पीड़ितों के परिवारों के साथ एकजुटता के साथ खड़ा है। हम सरकार से भी यह अपेक्षा करते हैं कि दोषियों को बिलकुल भी नहीं बख्शा जाये और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलायी जाये।

उक्त विचार मन्दसौर सीए ब्रांच के अध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने ब्रांच ऑफिस में आयोजित शोक संवेदना सभा के दौरान व्यक्त किये। पहलगाम आतंकी हमले में हताहत निर्दोष व्यक्तियों को श्रद्धांजलि देने के लिये इंस्टीट्यूट की देश भर की सभी शाखाओं में आज एक साथ 4 बजे श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मन्दसौर ब्रांच में आयोजित सभा में ब्रांच चेयरमैन सीए राजेश मंडवारिया, सचिव सीए नीतेश भदादा, कोषाध्यक्ष सीए अर्पित नागर, सीपीई कमेटी चेयरमैन सीए सिद्धार्थ अग्रवाल, सीए विकास भंडारी, सीए मयंक जैन, सीए आयुष जैन, सीए आशीष जैन आदि ने उपस्थित होकर सीए समुदाय की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

जन जागरूकता रैली निकाली

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। विश्व मलेरिया दिवस पर आयोजित जन जागरूकता रैली का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर जी एस चौहान एवं सुंदरलाल पटवा मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग अध्यक्ष डॉ सुनील कांत गुलेरी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। जन जागरूकता के इस अभियान में रैली में मुख्य रूप से मंदसौर शहर की स्वास्थ्य कार्यकर्ताएं, जीएनएम छात्राएं, मिरेकल कॉलेज के छात्र-छात्राएं एवं सुंदरलाल पटवा मेडिकल कॉलेज के इंटर्न छात्र सम्मिलित रहे। छात्र-छात्राओं के साथ-साथ मलेरिया विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन एवं अन्य संकाय चिकित्सक भी उपस्थित रहे। रैली के दौरान लोगों में मलेरिया एवं अन्य मच्छर जनित रोगों से बचाव संबंधी नारे लगाए गए। साथ ही पोस्टर एवं तख्तियों द्वारा मलेरिया एवं अन्य मच्छर जनित रोगों से बचाव एवं उपचार संबंधी जानकारी प्रदर्शित की गई।

गीताभवन में आतंकवादी के शिकार दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। धर्मधाम गीता भवन मंदसौर पर अन्तर्राष्ट्रीय संत श्री रामनिवासजी बापू के सानिध्य में एकादशी को गीता भवन महिला सत्संग मण्डल प्रमुख श्रीमती विद्या उपाध्याय के नेतृत्व में मातृशक्ति द्वारा एकादशी को सामूहिक गीता के दो अध्याय का सामूहिक पाठ किया गया।

उपरोक्त जानकारी देते हुए ट्रस्ट के सचिव पं. अशोक त्रिपाठी ने बताया कि संध्या 4 बजे गीता भवन में मातृशक्ति ने पहलगाम आतंकवादी क्रूर हिंसा के शिकार 26 भारतीय हिन्दूओं (माता, बहन, भाई, बच्चों) को मौन रहकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा परम पिता परमेश्वर से इनके परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की प्रार्थना की गई। महिला सत्संग मण्डल गीता भवन परिवार सर्वश्री विद्या उपाध्याय, अंजू तिवारी, वृतिका पारीक, शारदा पंवार, हेमाकुंवर, शांताकुंवर, पूजा बैरागी, तेजकुंवर सिसौदिया, कलावती वर्मा, पवन जोशी, भगवंती, गोपालकुंवर चन्द्रावत, प्रेमलता आचार्य, पुष्पा बैरागी, मेजर उषा कुमावत, रेखा टेलर, कीर्ति चौहान, जसवंती चंदेल, पद्मावति प्रजापत, सोहनकुंवर, साधना शर्मा, अयोध्या बैरागी, सीमा नागर, सरोज कुर्किया आदि उपस्थित हुए।

श्री राम कथा का शंखनाद आज कलश यात्रा से होगा

नीमच, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। बालाजी नवयुवक मंडल रामपुरा दरवाजा के तत्वाधान में नौ दिवसीय अमृत कलश स्थापना महोत्सव एवं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित श्री राम कथा का शंखनाथ आज 26 अप्रैल को सुबह 8 बजे वीर हनुमान मंदिर रामपुरा दरवाजा जावद पर कलश यात्रा से होगा। कलश यात्रा में महिलाएं लाल पीले परिधानों में सहभागी बनेगी। बैंड बाजे पर श्री राम के जीवन चरित्र पर आधारित विभिन्न भजनों की स्वर लहरियां गुंजेगी। श्री राम कथा पंडित दशरथ शर्मा भाई जी के श्री मुख से प्रतिदिन दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक प्रवाहित होगी।यज्ञ आचार्य कैलाश नारायण शर्मा सीतामऊके सानिध्य में 30अप्रैल को प्रायश्चित कर्म यज्ञ मंडप प्रवेश, स्थापित देवता पूजन,यज्ञ शुभारंभ सुबह 8से12 बजे तक एवं शाम 4से 6 बजे तक प्रतिदिन पंच कुंडात्मक पंच दिवसीय यज्ञ में विद्वान पंडितों की उपस्थिति में वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ हजारों आहुतियां दी जाएगी।

जनभागीदारी के मायने समझना होगा, तभी सफल होगा जल गंगा संवर्धन अभियान

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन व भारत सरकार द्वारा गंगा जल संवर्धन अभियान संचालित करने हेतु विभिन्न विभागों व ग्राम पंचायतों को लक्ष्य दिए व मॉनिटरिंग की जा रही हे।

अभियान के तहत किये जा रहे कार्यो के फोटो भी समाचार पत्रों में नियमित प्रकाशित हो रहे हे जिनमे शासकीय अधिकारी जनप्रतिनिधि व ग्रामीणों द्वारा किये जा रहे श्रमदान करते दिखते हैं। तालाब गहरीकरण,बावड़ी सफाई हो रही हे। शासकीय अमला व जन प्रतिनिधि प्रतिदिन श्रमदान का प्रयास कर रहे हे।यह श्रमदान नागरिकों को प्रेरित करने के लिए हो सकता हे परन्तु परिणाम मूलक नही है। जल संवर्धन अभियान के पीछे शासन की मूल अवधारणा हे की नागरिक ख स्वयम तन मन धन से जन भागीदारी करते हुए जल संवर्धन के कार्य करने हेतु प्रेरित हो और ऐसा करने के लिए जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को बेहतर लीडरशिप की आवश्यकता होती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रदेश के मुख्य सचिव की विशेष रूचि हे कि इस अभियान में वास्तविक जनभागीदारी हो।नागरिक पानी की कीमत को समझे ,चुकी वर्तमान मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन साहब वर्ष 2000 में मंदसौर कलेक्टर रहे तब गांव गांव जाकर किसानों को पानी का महत्व समझाया और उन्हें सहमत किया की शासकीय राशि स्वीक्रति पर निर्भर न रहे बल्कि थोडा थोडा धन एकत्र करे ग्रामीण स्वयं जन भागीदारी समिति बनाकर कार्य करावे शासन तकनीकी सहयोग देगा और ऐसा करने में वे बहुत सफल रहे। परिणाम यह रहा की शिवना सोमली व तुम्बाड नदी पर पूर्ण जन भागीदारी से बड़े बड़े स्टॉप डेम बने जो नन्दावता,बादाखेडी ,लिलदा , पाडलिया मारू ,बिल्लोद ,नाहरगढ़ , व खूंटी में देखे जा सकते हे। रिस्थल तालाब भी इसका उदाहरण हे , कुवा रिचार्ज ,सोखते गद्दे ,खेत में पोखर , चारो और नाली जैसे कार्य तो व्यापक स्तर पर हुए स्टॉप डेमो की मरम्मत आज भी जनभागीदारी समिति के सदस्य करते हे।इन्ही जनभागीदारी समिति के सदस्यों को जल दूत बनाकर ग्रामीणों को जन भागीदारी करने के लिए प्रेरित करने का दायित्व देना चाहिए। रिटायर्ड सहायक यंत्री सुनील व्यास ने उक्त जानकारी देते हुए बताया की आज के परिपेक्ष में भूजल स्तर बढ़ाने के लिए प्रत्येक खेत में खेत तालाब निर्माण , पोली पोंड निर्माण शहरी क्षेत्र में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग जैसे कार्य की बहुत आवश्यकता हे और इन्ही प्रकार के कार्यों को पूर्ण जनभागीदारी से कराया जा सकता हे खेत तालाब के उत्कृष्टकार्य जिला देवास के टोंक खुर्द में देखे जा सकते जिसने उस जनपद की तस्वीर ही बदल दी / मंदसौर जिले में भी अनेक किसानों ने खेत तालाब व पोली पोंड बनाये तथा अच्छा लाभ भी ले रहे हैं।

सुनील व्यास ने बताया की खेत तालाब से किसानों को तो फायदा होगा ही, भू जल स्तर में गिरावट को रोकने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी साथ ही खेत की मिट्टी व्यर्थ बहने से रुकेगी जो अभी स्टॉप डेम व तालाबो में पहुंचकर उनकी भराव क्षमता को कम करती है इसी मिट्टी को किसान धन खर्च करके वापस अपने खेत में लाता है। इसी प्रकार प्रत्येक खेत पर 10 पौधे लगाने की अनिवार्यता आवश्यक हे , पंचायतों से वृक्षारोपण कराने की तैयारी जैसे स्थल चयन ,गड्ढे खुदाई, सुरक्षा व सिंचाई की व्यवस्था आदि अभी कराना चाहिए तथा 15 जून के बाद इन गड्ढों में केवल पोधे लगाने की तैयारी रहना चाहिए अन्यथा हमारे यहाँ परंपरा बनी हुई हे की जुलाई माह में वृक्षारोपण के लिए वातावरण बनाया जाता हे पर्यावरण प्रेमी पौधे लगाने हेतु चिंतित होने लगते है। ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब से मिट्टी ले जाने की अनुमति प्रदान करना चाहिए। मिट्टी माफिया पर नियंत्रण भी आवश्यक हे किसान स्वयं अपने साधन से मिटटी ले जावे तो बगेर खर्च के सभी तालाब का गहरीकरण हो जावेगा इसका हिसाब रखने हेतु एक समिति बनायी जावे तो उचित होगा। नगरीय क्षेत्र में मकानों की छत से व्यर्थ बहने वाले वर्षा जल के उपयोग हेतु रूफ वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक अपनाने की अनिवार्यता होनी चाहिए इस कार्य में वर्ष 2000 से इसी प्रकार के कार्य कराने वाली अनुराग संस्था जेसी अन्य संस्थाओं का सहयोग लेना चाहिए /एक मकान की 1000 वर्ग फिट छत से बहने वाला साथ हजार लीटर वर्षा जल का उपयोग किया जा सकता है। मंदसौर जिले में जन भागीदारी की बहुत अछि परम्परा रही हे यदि प्रशासन जन भागीदारी के लिए प्लानिंग से व ग्रामीणों की चौपाल लगाकर चर्चा करे तो वर्षा पूर्व बेहतर परिणाम मिल सकते है।

इजी सुनील व्यास, रिटायर सहायक यंत्री

सीतामऊ क्षेत्र के 14 किसानों से नरवाई जलाने पर 52 हजार 500 रुपए का अर्थ दंड वसूल किया

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन पर्यावरण विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा 1981 की धारा 19 (5) के तहत गेंहू/धान अवशेषों को खेतों मे ही जलाये जाने पर प्रतिबंधित किया गया है। जो भो व्यक्ति/संस्था यदि ऐसा करते पाए जाते है तो उसे माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार पर्यावरण मुआवजा अदा करना होगा। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा सीतामऊक्षेत्र के 14 किसानों से गेहूं फसल की खेतों में नरवाई/ पराली जलाने पर 52 हजार 500 रुपए का अर्थ दंड वसूल किया गया। जिसमें निवासी दल्लोद के गोपाल सिंह पर 2500 रूपये, कालीबाई पर 2500 रूपये, गोविन्द सिंह पर 2500 रूपये, कृपालसिंह पर 2500 रूपये, रघुनाथसिंह पर 2500 रूपये, भेरूसिंह पर 2500 रूपये, आनंदबाई पर 2500 रूपये, श्यामसिंह पर 2500 रूपये, सज्जनसिंह पर 2500 रूपये, उमरावसिंह पर 2500 रूपये, निवासी गुराडियाविजय के किशन पर 15000 रूपये,कलाबाई पर 2500 रूपये, शंकरलाल 5000 रूपये,कारूलाल पर 5000 रूपये की राशि पर आर्थिक दण्ड अधिरोपित की गई।

नप कर्मचारियों ने पार्षद की अभद्रता पर दिया ज्ञापन

गरोठ, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद में कर्मचारियों और पार्षद राजेंद्र उर्फ राजू मगर के बीच विवाद सामने आया है। शुक्रवार शाम 4 बजे कर्मचारियों ने नगर परिषद अध्यक्ष राजेश सेठिया और सीएमओ वीरेंद्र मेहता को ज्ञापन सौंपा।

कर्मचारियों का आरोप है कि गुरुवार दोपहर पार्षद राजू मगर ने कार्यालय में कर्मचारी सर्वज्ञ शर्मा के साथ अभद्र व्यवहार किया। शर्मा ने वार्ड क्रमांक 4 की महिलाओं से जन्म प्रमाण पत्र में संशोधन के लिए शपथ पत्र मांगा था। आवेदन में त्रुटि को सुधारने को कहा था। कर्मचारी के मुताबिक, जब हितग्राही शपथ पत्र बनवाने जा रहे थे, तब पार्षद ने महिलाओं को रोका और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। इस दौरान अध्यक्ष राजेश सेठिया और उपाध्यक्ष महेश मालवीय भी मौजूद थे। कर्मचारियों का कहना है कि पार्षद अक्सर अन्य कर्मचारियों के साथ भी अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि जब तक पार्षद माफी नहीं मांगते और उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं मिलती, वे हड़ताल पर जाएंगे। ज्ञापन देने वालों में राम प्रसाद, जोगेंद्र पंजाबी, नंदकिशोर मालवीय, पायल, कुंदन पांडे, प्रकाश ग्वाल, रामपाल नरवाल सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल थे।

ट्रेनों में अवैध वसूली करने वाले किन्नरों की शिकायत पर आरपीएफ की कड़ी कार्यवाही...

रतलाम और नागदा में डेढ़ सौ किन्नरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज

रतलाम, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। ट्रेनों में अवैध वसूली करने वाले किन्नरों के खिलाफ मिल रही यात्रियों की शिकायत के मद्देनज़र रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा अभियान चलाकर कडी कार्यवाही की जा रही है। रतलाम और नागदा में आरपीएफ ने करीब डेढ सौ से ज्यादा किन्नरों के खिलाफ रेल अधिनियम के तहत कानूनी कार्यवाही की गई है।

उल्लेखनीय है कि समाजसेवी सतीश टाक ने ट्रेनों में किन्नरों द्वारा अवैध वसूली करने और यात्रियों द्वारा रुपए नहीं देने पर अश्लील गालियां देते और निर्वस्त्र हो जाने की शिकायत पश्चिम रेलवे मुख्यालय, डीआरएम रतलाम और रेलमंत्रालय को की थी। जिसके जवाब में आरपीएफ क्राइम ब्रांच मुख्यालय पश्चिम रेलवे ने की गई कार्यवाही की जानकारी उपलब्ध करवाई साथ ही आगे भी निरन्तर कार्यवाही की बात कहीं गई। आरपीएफ क्राइम ब्रांच मुख्यालय द्वारा प्रेषित पत्र में कहा गया है कि आपका परिवाद इस कार्यालय को प्राप्त हुआ है। आपके परिवाद की जांच वरिष्ठ मण्डल सुरक्षा आयुक्त–रतलाम के मार्फत निरीक्षक/रे.सु.ब./रतलाम, नागदा एवं उज्जैन से कराई गई है। जांच रिपोर्ट के अनुसार आपके द्वारा की गई शिकायत के मद्देनजर रतलाम पोस्ट द्वारा पोस्ट पर तैनात सभी अधीनस्थ अधिकारियों एवं स्टाफ को परिवाद से अवगत करवाते हुए इस प्रकार की गतिविधियों मे लिप्त किन्नरों के विरुद्ध मे प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देशित किया गया है। रतलाम के द्वारा ट्रेन एवं रेल परिसर मे किन्नरों द्वारा यात्रियों से वसूली की शिकायतों के मद्देनजर प्रभावी कार्यवाही हेतु दैनिक रूप से रेलवे अधिनियम के तहत अभियान चलाकर पोस्ट क्षेत्राधिकार मे आने-जाने वाली सवारी गाडियों को अटेंड कर के चेक किया जा रहा है तथा इस प्रकार की गतिविधियों मे संलिप्त किनारों के विरुद्ध मे रेल अधिनियम के तहत कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

परिणाम स्वरूप वर्ष 2025 मे दिनांक 09.04.2025 तक कुल 63 किन्नरों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर माननीय न्यायालय मे पेश कर जुर्माना भरवाया गया है तथा दिनांक 31.03.2025 को सवारी गाडी 19165 मे किन्नरों के द्वारा यात्रियों से पैसे छीनने व मार-पीट की घटना संज्ञान मे आने पर तुरंत प्रभाव से उक्त ट्रेन को RPF एवं GRP द्वारा अटेंड कर शिकायतकर्ता यात्री योगेश शर्मा की फ़रियाद पर दो किन्नरों के विरुद्ध मे GRP/RTM मे CR-75/2025 u/s 3(5), 115(2), 119(2), 296, 351(3) इछड दिनांक 31.03.2025 के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। इसके अतिरिक्त आपके परिवाद को ध्यान मे रखते हुए निरीक्षक/नागदा द्वारा भी समस्त स्टाफ को किन्नरों के विरुद्ध मे नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया है तथा किन्नरों के गुरुओ को पोस्ट पर बुलवाकर उन्हे ट्रेन या रेल परिसर मे भीख न मांगने, किसी भी यात्री के साथ झगडा, गाली-गलोच या मार-पीट न करने बाबत सख्त हिदायत दी गई है तथा किन्नरों के विरुद्ध मे वर्ष 2025 मे 06.04.2025 तक कुल 114 किन्नरों के खिलाफ रेल अधिनियम के अंतर्गत कानूनी कार्यवाही की गई है।

प्रदेश में ई-आरटीओ सेवा और ई-चेकपोस्ट सेवा

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के परिवहन कार्यालयों में आम नागरिकों को प्रदाय की जाने वाली समस्त सेवाओं के लिये ऑनलाइन आवेदन करने तथा प्राप्त आवेदनों का निराकरण परिवहन विभाग के सारथी पोर्टल पर ऑनलाइन ही किये जाने के प्रावधान किये गये हैं। विभाग द्वारा जिला परिवहन कार्यालय में सेवाओं के लिये निर्धारित शुल्क एवं वाहनों के मोटरयान कर ऑनलाइन की जमा करने की व्यवस्था कर दी गई है। इस व्यवस्था के शुरू हो जाने के बाद से परिवहन कार्यालयों में नकद राशि जमा करने की व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है।अन्य प्रांतों से प्रदेश में आने वाले अथवा प्रदेश से गुजरने वाले वाहनों को मध्यप्रदेश मोटरयान कर ऑनलाइन जमा कराने के लिये एनआईसी के ई-चेक पोस्ट पोर्टल पर उपयोग किया जाना भी प्रारंभ किया जा चुका है। इस सुविधा से अन्य प्रांतों के परिवहन मोटर स्वामी अपने वाहन का मोटरयान कर ऑनलाइन जमा कर पा रहे हैं। इस सुविधा से अनावश्यक रूप से होने वाली असुविधा से वाहन मालिकों को छुटकारा मिल गया है।

सांसद गुर्जर ने पेश की मानवता की मिसाल, दुर्घटनाग्रस्त की बचाई जान

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। 24 अप्रैल की रात करीब 11 बजे अफजलपुर निवासी भगवान सिंह दुर्घटनाग्रस्त होकर मंदसौर में सीतामऊरोड पर कुमकुम गार्डन के सामने अचेत अवस्था में पड़े थे। कई गाडियां निकल रही थी किन्तु कोई रुककर मदद करने को राजी नहीं हुआ।

धार से पार्टी के कार्यक्रम निपटा कर लौट रहे राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल जी गुर्जर ने उक्त व्यक्ति को देखकर अपनी गाडी रुकवाई, स्वयं आगे आते हुए अपने सुरक्षा अधिकारी एवं ड्राइवर की मदद से शासकीय चिकित्सालय लेकर पहुंचे। चिकित्सालय पहुंचाकर दुर्घनाग्रस्त व्यक्ति के परिजनों एवं साथियों को जानकारी दी गई। गौरतलब है कि अगर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को समय पर उपचार हेतु चिकित्सालय नहीं लाया जाता तो उस व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी होना भी संभव था। श्री गुर्जर क्षेत्र में अपने पारिवारिक स्वभाव के कारण जाने जाते हैं, मदद करना उनका स्वभाव है। उनकी तत्परता एवं सेवा भाव के कारण आज एक व्यक्ति की जान बच पाई है। श्री गुर्जर ने एक फेसबुक पोस्ट के माध्यम से अपील की 'आप सभी से आग्रह करता हूं कि अवसर पडने पर दुर्घटना ग्रस्त लोगों की सहायता के लिए सदैव आगे आएं, आपकी तत्परता किसी का जीवन बचाने में सहायक सिद्ध हो सकती है।'इसके साथ सभी वाहन चालकों से भी अपील की यातायात के नियमों का पालन करें, कार में सीट बेल्ट और दोपहिया वाहन पर हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनें, शराब या नशीले पदार्थों के सेवन के बाद वाहन न चलाएं, ट्रैक्टर एवं अन्य वाहनों पर रेडियम चिपकाएं, निर्धारित गति सीमा के भीतर ही वाहन चलाएं। अपनी और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखें।

बड़े बालाजी मंदिर परिसर में आज कवि सम्मेलन

देशभर से आयेंगे विख्यात कवि, पं. रामनारायण शर्मा काव्य अलंकरण सम्मान विख्यात कवि गोविन्द राठी को मिलेगा

मंदसौर, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। श्री हनुमान जन्मोत्सव के तहत पुराना बस स्टेण्ड मंदसौर स्थित चमत्कारी श्री बडे बालाजी मंदिर परिसर पर आज 26 अप्रैल, शनिवार को सायं 8 बजे से विराट अ.भा. कवि सम्मेलन तथा स्व. श्री रामनारायण शर्मा काव्य अलंकरण सम्मान समारोह आयोजित होगा। जिसमें देशभर से ख्यातनाम कवि उपस्थित होकर काव्य पाठ करेंगे। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा, लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष पं. राजेश दीक्षित, विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया उपस्थित रहेंगे।

उक्त आयोजन की जानकारी देते हुए मंदिर समिति के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा व प्रवक्ता रवि ग्वाला ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 26 अप्रैल को मंदिर परिसर में आयोजित अ.भा. कवि सम्मेलन का संचालन हास्य कवि गोविंद राठी शुजालपुर करेंगे साथ ही हास्य रस कवि दिनेश देशी घी शाजापुर, हास्य रस कवि चेतन चर्चित दिल्ली, गीतकार कैलाश मण्डेला शाहपुरा, हास्य रस कवि कुलदीप रंगीला देवास, वीर रस कवि नरेन्द्र अटल महेश्वर, श्रृंगार रस कवयित्री सोनल जैन सूरत, वीर रस कवयित्री श्रद्धा शौर्य नागपुर व हास्य रस कवि मुन्ना बैटरी मंदसौर अपनी कविताओं की प्रस्तुति देंगे। इस दौरान स्व. श्री रामनारायण शर्मा काव्य अलंकरण सम्मान प्रसिद्ध कवि गोविन्द राठी शुजालपुर को प्रदान किया जाएगा।

मंदिर समिति के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा, प्रवक्ता रवि ग्वाला समिति के सदस्यगण अनिल कियावत, विनय दुबेला, नरेश चंदवानी, दिनेश जोशी (ऊँ शांति), चौथमल शर्मा, सज्जनलाल खमेसरा, नारायण पालीवाल, अनिल सुराह, महेन्द्रसिंह सिसोदिया, शिवशंकर सोलंकी, कपिल सोलंकी, राजाराम तंवर, जीवनलाल गोसर, वरदीचंद कुमावत, मुन्ना बैटरी, विनोद रूनवाल आदि ने सभी मंदसौर नगर के सभी भक्तों एवं काव्य प्रेमियों से आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर
त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन
डॉ. परीक्षित शर्मा
एम.डी. (स्कीन)
शनिवार दिनांक 26 अप्रेल को शाम 5 से रात 8 और
रविवार 27 अप्रेल को सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।
सुविधाएं-✲ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✲ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✲ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✲ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✲ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✲ शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✲ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✲ बच्चों व बुजुर्गों की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✲ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✲ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)
करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे,
स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

भाजपा देश के संविधान को भारत की आत्मा मानती है, कांग्रेस पार्टी इसे किताब मानती हैं-कश्यप

चुनाव हराकर कांग्रेस ने बाबा साहब को अपमानित करने का काम किया-टेंटवाल

भीमराव अंबेडकर जी ने सर्वहारा वर्ग के लिए कार्य किया है। कांग्रेस ने उन्हें चुनाव हराने के साथ हमेशा अपमानित करने का कार्य किया है। जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब को चुनाव हराने का कार्य किया। कांग्रेस पार्टी ने पग-पग पर बाबा साहब को अपमानित करने का कार्य किया है। उज्जैन महापौर मुकेश टेंटवाल ने कहा कि बाबा साहब एक महान विचारक और विद्वान व्यक्ति थे। बाबा साहब अंबेडकर ने जब नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया तो अपने इस्तीफे की वजहें भी लिखी थीं। लेकिन उस पत्र को गायब कर दिया गया। बाम्बे नॉर्थ से चुनाव हराने के बाद जवाहरलाल नेहरू ने लेडी माउंटबेटन को लिखे पत्र में बाबा साहब की चुनावी हार का जिक्र करते हुए लिखा था.टुडे आई एम हैप्पी। बाबा साहब एक विशाल व्यक्तित्व वाले राष्ट्रपुरुष थे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गठन सहित वित्त आयोग और योजना आयोग के गठन का विचार भी बाबा साहब का ही था। कांग्रेस पार्टी बाबा साहब की विद्वत्ता को कभी स्वीकार नहीं कर पाई और उनको राजनीति में आगे बढने से रोकने के लिए कांग्रेस एवं जवाहरलाल नेहरू ने अनेकों कुप्रयास किये थे। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने इस अवसर पर स्वागत उद्बोधन देते हुए मंचस्थ अतिथि गणों को बताया की जिला भाजपा मंदसौर द्वारा 13 अप्रैल को जिले के प्रत्येक मंडल में बाबा साहब की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन किया गया और 14 अप्रैल को बाबा साहब की जन्म जयंती पर सभी मंडलों में भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता रैली के माध्यम से प्रतिमा स्थल पर पहुंचे और बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसी प्रकार 27 अप्रैल 2025 को जिले के सभी संगठनात्मक मंडलों में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम श्रवण पश्चात बाबा साहब के जीवन पर आधारित संगोष्ठीयाँ सम्पन्न होगी। हमें पूर्ण विश्वास है की जिले के समस्त मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, मोर्चा जिलाध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओं की मेहनत से हम बाबा साहब के विचारों को बूथ स्तर तक ले जाने में सफल होंगे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम जिला प्रभारी विजय अठवाल ने किया एंव आभार अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष अशोक सूर्यवंशी ने माना। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

बंजारा, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित, जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, विधायक हरदीपसिंह डंग, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया, देवीलाल धाकड़, सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, मछुआरा प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक बाबुलाल चौहान, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, मुकेश काला, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, भाजपा जिला महामंत्री विजय अठवाल, गणपतसिंह आंजना, पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष अशोक सूर्यवंशी, नगरपालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, भाजपा वरिष्ठनेता निहालचंद मालवीय, शांतीलाल मालवीय, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि रोड़ूलाल वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि बालाराम परिहार, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राधेश्याम चौहान, अजा. मोर्चा जिला महामंत्री प्रकाश सोलंकी आदि की उपस्थिति एवं पूर्व डिप्टी कलेक्टर आर एल बोरिवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। संगोष्ठी के पूर्व पहलगाम में आतंकवादी घटना में मृत आत्माओं को दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पं.दीनदयाल उपाध्याय, डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी, डॉ.भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। तत् पश्चात मंचस्थ अतिथि गणों का स्वागत भाजपा पदाधिकारी गणों द्वारा किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना जनपद सदस्य श्रीमती संगम सूर्यवंशी ने प्रस्तुत की।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए केबीनेट मंत्री चेतन्य कश्यप ने कहा कि बाबा साहब के सामाजिक समरसता के विचार को आगे बढाना भाजपा कार्यकर्ता का पहला कर्तव्य है। भाजपा देश के संविधान को भारत की आत्मा मानती है, जबकि कांग्रेस पार्टी देश के संविधान को एक किताब मानते हैं। बाबा साहब ने दलितों और वंचितों के सम्मान के लिए काम किया और कांग्रेस ने हमेशा ही बाबा साहब का अपमान किया। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ.

देवस्थानों की भूमियों का नीमच जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है संरक्षण...

ढंढेरी में मंदिर भूमियों को कराया अतिक्रमण मुक्त

नीमच, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में शासन संधारित मंदिरों की भूमियों का संरक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व, मनासा पवन बारिया के मार्गदर्शन में नायब तहसीलदार, कुकडेश्वर द्वारा न्यायालयीन प्रकरणों में गठित दल द्वारा श्री बद्रीनारायण मंदिर, मनासा की ग्राम-ढंढेरी स्थित भूमि सर्वेनम्बर-291 रकबा 1.79 हेक्टर, सर्वेनम्बर-392 रकबा 0.77 हेक्टर, सर्वेनम्बर-393 रकबा 2.280 हेक्टर भूमि पर अतिक्रामक कारूलाल पिता चतरा बंजारा, परसराम पिता नग्गा बंजारा, मोतीलाल पिता चंदा बंजारा, राजेश पिता नग्गा बंजारा, बादर पिता बंशीलाल बंजारा, निवासी-जयसिंह का टांडा एवं ग्राम-फोफलिया स्थित भूमि सर्वेनम्बर-332 रकबा 5.97 हेक्टर एवं सर्वेनम्बर-333 रकबा 0.400 हेक्टर भूमि पर राधेश्याम, जगदीश पिता रोडीलाल बंजारा, सारेल्या द्वारा वर्षों से देवस्थान श्री बद्रीनारायण मंदिर, मनासा की भूमि पर किये गये अवैध कब्जे को छुडवाया जाकर प्रशासन द्वारा अपने कब्जे में लेकर वर्तमान पुजारी को भूमि का कब्जा दिलवाया गया। उक्त कार्य नायब तहसीलदार, नवीन छलोत्रे के निर्देशन में गठित दल रामदयाल शर्मा, प्रभारी राजस्व निरीक्षक, वृत्त-कुकडेश्वर, राकेश अहीर, प्रवीण कुमावत, हर्षवर्धन चुण्डावत, मुकेश मालवीय पटवारी, द्वारा किया। यह जानकारी मनासा एसडीएम श्री पवन बारिया द्वारा दी गई।

सात किलो अफीम के साथ युवक गिरफ्तार

नीमच, 25 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने मालखेड़ा फंटा के पास से एक युवक को सात किलो अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी धनराज पिता जयसिंह भाटी जावी का निवासी है। वह स्विफ्ट कार से राजस्थान की ओर अफीम ले जा रहा था। पुलिस ने बताया कि मुखबीर सूचना पर नीमच फोरलेन पर मालखेड़ा फंटा के आगे घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा गया। पुलिस ने कार की तलाशी में 14 लाख रुपए कीमत की 07 किलो अफीम बरामद की। इसके अलावा 10 लाख रुपए की स्विफ्ट कार क्रमांक आरजे 27 सीके 7132 भी जब्त की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 का प्रकरण दर्ज कर लिया है। अफीम की सोर्स और डेस्टिनेशन का पता लगाने के लिए आरोपी से पूछताछ जारी है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/607/खनिज/2025 मंदसौर, दिनांक-21.04.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// प्रथम सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री विपुल मेहता पिता विजय मेहता निवासी दलौदा चौपाटी, तहसील दलौदा, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 09.04.2025 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 26.05.2025 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मंदसौर	भावता	840/1/2, 840/1/1/1, 847	2.360 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर, एम.सेड़ एवं मुरम (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 26.05.2025 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदन पत्र को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी

G-11953/25 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल। खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

कार्यालय-दशरथ सिंह झाला अधिवक्ता

6, अशुंल विहार मंदसौर मोबाइल नं -9407127853, 7000831698

दिनांक- 25-4-2025, मंदसौर

✲✲✲ जाहिर सूचना ✲✲✲

1- सुरजमल पिता मांगीलाल कुमावत निवासी ग्राम सरसोद तहसील दलौदा जिला मंदसौर 2- सर्व साधारण

महोदय,

आप क्रमांक 1 व 2 सर्वसाधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से मेरी पक्षकारा ललिताबाई पति रामनारायण गेहलोद एवं रोहित पिता रामनारायण गेहलोद अवयस्क द्वारा संरक्षक माता ललिताबाई पति रामनारायण गेहलोद निवासी ग्राम सरसोद, तहसील दलौदा, जिला मंदसौर की ओर से सूचित किया जाता है कि-

यह कि मेरी पक्षकारा ललिताबाई का पति एवं रोहित के पिता रामनारायण पिता भगवानजी गेहलोद निवासी ग्राम सरसोद लगातार शराब के नशे में रहते है तथा उनकी मानसिक अवस्था ठीक नहीं है, मेरी पक्षकारा को पता चला है कि आप क्रमांक एक मेरी पक्षकारा के पति की शराब की लत एवं कमजोर मानसिक अवस्था का फायदा उठाकर मेरे पक्षकारा के पति रामनारायण के नाम की कृषि भूमि सर्वे नं. 1346/1/3 (एस) रकबा 0.0850 हैक्टर व सर्वे क्रमांक 1347/1 (एस) रकबा 0.0960 हेक्टर स्थित ग्राम सरसोद तहसील दलौदा, जिला मंदसौर को क्रय करना चाहते है। मेरी पक्षकारा द्वारा उक्त भूमि के विक्रय को रोकने के लिए सब रजिस्ट्रार कार्यालय मंदसौर में आपत्ति लगा दी गई है साथ ही व्यवहार न्यायाधीश महोदय वर्ग-2 मंदसौर के न्यायालय में भी स्थायी निषेधाज्ञा का वाद प्रस्तुत किया जा रहा है।

अतः आप क्र.1 व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आप क्रं.1 व अन्य कोई भी व्यक्ति, संस्था मेरे पक्षकारा के पति रामनारायण से उपर वर्णित कृषि भूमि को क्रय न करें व न ही कोई संव्यवहार करें अन्यथा किया गया संव्यवहार व्यर्थ व शून्यवत माना जावेगा। सो सूचित हो।

भवदीय

दशरथसिंह झाला, अधिवक्ता, 6, अंशुल विहार, मंदसौर

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर
नामान्तरण -सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी गांधी नगर मंदसौर स्थित भूखण्ड क्रमांक एमआईजी (डी)-21 जो श्रीमती पूजासिंह सिसोदिया पति श्री कृष्णराजसिंह सिसोदिया को आवंटित किया गया था। उक्त भूखण्ड का पट्टाभिलेख दिनांक 25.05.2017 को इनके नाम पर निष्पादित करवाया गया था। इनके द्वारा उक्त भूखण्ड का विक्रय श्रीमती निदा पठान पति असलम पठान को कर विक्रय पत्र दिनांक 20.03.2025 को इनके पक्ष में निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नामांतरण श्रीमती निदा पठान पति असलम पठान अपने नाम करवाना चाहती है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे। समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण श्रीमती निदा पठान पति असलम पठान के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर
नामान्तरण -सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी गांधी नगर मंदसौर स्थित भवन क्रमांक ई-68 जो श्री मोहम्मद फारुख पिता श्री गुलाम मोहम्मद खान को आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 17.01.2018 को इनके नाम पर निष्पादित करवाया गया था। इनके द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री अरशद हुसैन पठान पिता श्री आबिद हुसैन पठान को कर विक्रय पत्र दिनांक 15.10.2018 को इनके पक्ष में निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्री अरशद हुसैन पठान पिता श्री आबिद हुसैन पठान अपने नाम करवाना चाहती है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे। समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्री अरशद हुसैन पठान पिता श्री आबिद हुसैन पठान के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर
नामान्तरण -सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी गांधी नगर मंदसौर स्थित भवन क्रमांक ई-64 जो श्रीमती मेहरुन निशा पति श्री ताज मोहम्मद मंसूरी को आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 02.07.2014 को इनके नाम पर निष्पादित करवाया गया था। इनके द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्रीमती शहनाज पठान पति श्री अरशद हुसैन पठान को कर विक्रय पत्र दिनांक 05.10.2018 को इनके पक्ष में निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्रीमती शहनाज पठान पति श्री अरशद हुसैन पठान अपने नाम करवाना चाहती है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे। समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्रीमती शहनाज पठान पति श्री अरशद हुसैन पठान के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्या एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in